NEWS CLIPPING: 13.03.2017

HINDUSTAN

कालमायका फेस्ट की तैयारियां तेज

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मार्च के अंतिम सप्ताह से तीन दिवसीय 'फेस्ट कालमायका-2017' का आयोजन होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं, हालांकि अभी तिथि निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन छात्रों की सूची में दिल्ली, एनसीआर और हरियाणा के करीब 50 कॉलेज और विश्वविद्यालय के करीब ढाई हजार छात्र अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

फेस्ट कालमाया में टेक्नीकल और सांस्कृतिक ग्रुप के छात्र-छात्राएं धमाल मचाएंगे। टेक्नीकल ग्रुप के छात्र रोबोट, पानी में चलने वाले जहाज सहित कई अन्य मॉडल का प्रदर्शन करेंगे, जबकि सांस्कृतिक क्लब के छात्र-छात्राएं कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। फेस्ट के दौरान करीब 8-10 क्लबों को तैयार किया जाएगा। इन्हें अलग-अलग नाम दिए जाएंगे। ये सभी मॉडल प्रस्तुत करेंगे। इसे दो श्रेणी में बांटा गया है। प्रथम श्रेणी टेक्नीकल की होगी, जबकि दूसरी सांस्कृतिक है। फेस्ट के दौरान टेक्नीकल टीम को विभिन्न नामों से जाना जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के करीब 150 से 200 विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इसमें तत्कालीन मुद्दों पर वाद विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा सकता है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

निजी कंपनियों से लिया जाता है सहयोग : कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निजी कंपनियों का सहयोग लिया जाता है। विश्वविद्यालय की ओर से भी कुछ वित्तीय सहायता दी जाती है, लेकिन छात्र अपने स्तर से पैसे का इंतजाम करते हैं। फेस्ट के दौरान शाम में कुछ नामचीन कलाकार भी आते हैं। जिन्हें छात्रों की ओर से भुगतान किया जाता है। इसके लिए वे निजी कंपनियों से भी आर्थिक सहयोग लेते हैं।

मॉडल तैयार करेंगे छात्र

विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र रिमोट से नियंत्रित होने वाले रोबोट, हवाई जहाज सहित कई अन्य मॉडल तैयार करने में जुट गए हैं। फेस्ट के दौरान इसे प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा कुछ श्रेणी के छात्र कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, फोटो, वीडियो डिजाइनिंग, सहित अन्य खेलों का भी डिजाइन तैयार करेंगे। सुविधाएं विश्वविद्यालय की ओर से मुहैया करायी जाएंगी।

फेस्ट के लिए छात्रों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस दौरान कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसे दो भाग में बांटा गया है। इसमें से एक टेक्निकल और दूसरी सांस्कृतिक श्रेणी है।

–सोनिया बंसल, वरिष्ठ प्रोफेसर